

पत्राणली पेय हल्की। वादी लकील अनुप है। वही
व वादी लकील को बार-बार आजाजलमहि
गद्दी। किन्तु कोई भी उपो नहीं है। वही व
वादी लकील के वागज्जद सुनाना अनुप रहने
रह पत्राणली सदस हल्की आदम पेकी के
शवालिज की जाली है। पत्राणली पौगल मुका
होकर नगदर से कम हो। काद पूरि होकर
दादिक्य वागज्ज हो।

उपखण्ड अधिकारी
बहाग इकोटपूनी-बागेश